खबर संक्षेप

जंगल क्षेत्र में 45 मवेशियों से भरा ट्रक पकड़ा, आरोपीयों पर प्रकरण दर्ज

नैनपुर। पुलिस अधीक्षक मंडला राजेश रघुवंशी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा तथा एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन में, थाना प्रभारी नैनपुर निरीक्षक मंशाराम वगेन के नेतृत्व में थाना नैनपुर पुलिस द्वारा पशुओं के प्रति क्रूरता करने वाले आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई है। इस संबंध में थाना नैनपुर में पशुओं के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। दिनांक 24.06.2026 को थाना नैनपुर पुलिस को भ्रमण के दौरान मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम हमनगांव एवं मलधा के बीच जंगल क्षेत्र में एक ट्रक में बड़ी संख्या में मवेशियों को भरकर रखा गया है। सूचना प्राप्त होते ही पुलिस टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर जांच की गई। मौके पर ट्रक क्रमांक MP20 ZK 3507 खड़ा मिला। ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें 45 नग भैंस एवं बछड़े/बोड़े अत्यंत क्रूरतापूर्वक रस्सियों से बांधकर ठूंस-ठूंस कर भरे पाए गए। मौके पर उपस्थित व्यक्तियों ने अपने नाम इरफान कुरैशी एवं मो. इरशाद कुरैशी बताए। मौके पर ही मोटर सायकल क्रमांक MP51 JE 9418 तथा डिलक्स मोटर सायकल क्रमांक MP17 HC 3012 भी मिली। समक्ष गवाहों की उपस्थिति में विधिवत कार्यवाही करते हुए सभी 45 मवेशियों तथा संबंधित वाहनों को जब्त किया गया। प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि आरोपियों द्वारा मवेशियों को भूखा-प्यासा रखकर, रस्सियों से अमानवीय एवं क्रूरतापूर्वक बांधकर परिवहन किया जा रहा था।

निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा, समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से समझौता नहीं-कलेक्टर

*** लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई, कलेक्टर की चेतावनी।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने जिले में संचालित सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाही अथवा गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों एवं ठेकेदारों के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

गुरुवार को कलेक्ट्रेट के गोलमेज सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री धोटे ने लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, नेशनल हाईवे, एमपीआरडीसी, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा (आरईएस-1 एवं 2), जनजातीय कार्य विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, जल संसाधन विभाग तथा भवन निर्माण विभाग द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की विभागवार एवं बिंदुवार समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने सभी कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं समय-सीमा की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा विभाग के निर्माण कार्यों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने पटपर-सिंगारपुर में निर्माणाधीन कार्यों का स्वयं स्थल निरीक्षण करने के निर्देश संबंधित इंजीनियर को दिए। उन्होंने निर्माण की गुणवत्ता की गहन जांच कर विस्तृत निरीक्षण प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के लिए कहा।

ग्रामीण क्षेत्रों में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री धोटे ने आरईएस-1 एवं आरईएस-2 के अधिकारियों को नियमित रूप से ग्राम पंचायतों का सघन भ्रमण करने तथा निर्माण कार्यों का सतत निरीक्षण करने के निर्देश दिए। बैठक में अमृत सरोवर योजना के अंतर्गत संचालित कार्यों की भी समीक्षा करते हुए उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा पेयजल पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों पर कलेक्टर श्री धोटे ने गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि ठेकेदारों के माध्यम से इन सड़कों की तत्काल मरम्मत कराई जाए, जिससे आमजन को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर श्री धोटे ने मंडला-चिल्फी मार्ग पर यातायात नियंत्रण के लिए आवश्यक स्थानों पर स्पीडोमीटर एवं स्टॉप लाइन लगाने के निर्देश दिए। अंजनिया क्षेत्र में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए उन्होंने वहां निर्मित स्पीड ब्रेकर्स को सड़क के दोनों किनारों तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं एमपीआरडीसी द्वारा निर्मित मंडला-बरेला मार्ग की पुलियों पर सुरक्षा की दृष्टि से अनिवार्य रूप से डिवाइडर निर्माण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में सड़कों के रखरखाव एवं मरम्मत कार्यों की भी समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए।

बैठक के अंत में कलेक्टर श्री धोटे ने कहा कि सभी निर्माण एजेंसियां गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ कार्यों को पूर्ण करें। विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा गुणवत्ता में कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं ठेकेदार के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

पटपरा रैयत ग्राम पंचायत में भारी वित्तीय अनियमित्ता, जांच की मांग

*** सचिव के विरूद्ध पहले भी ग्रामीणों ने की थी शिकायत।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जनपद पंचायत मण्डला की समीपी ग्राम पंचायत पटपरा रैयत में वित्तीय अनियमित्ताओं को लेकर पहले भी शिकायतें की जा चुकी हैं कुछ वर्ष पूर्व इसी पंचायत के ग्राम खम्हरिया, झूना मण्डला एवं मराबाहू से सैकड़ों ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से फर्जी लेन-देन को लेकर जनपद मण्डला में शिकायत की थी और उसके बाद सचिव द्वारा जनपद मण्डला को इस बात का आवेदन दिया गया था कि उसे ग्रामीणों से अपनी जान का खतरा है लेकिन इसके बाद भी न तो सचिव को सुरक्षा मुहैया कराई गई और न ही सचिव का इस पंचायत से स्थानांतरण किया गया।

बल्कि ग्रामीणों की ही माने तो जनपद के अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं एवं सचिव के बीच समझौता करा दिया और मामला ठण्डे बस्ते में चला गया। इसके बाद से शिकायतें तो बंद हो गई लेकिन वित्तीय अनियमिततायें बंद नहीं हुई बल्कि और भी बेलगाम हो गई ग्रामीणों को इस बात से डराया धमकाया गया कि उन्होंने जनपद में समझौता किया है शिकायत नहीं करने का यदि शिकायत किसी के द्वारा की गई तो उसी के विरूद्ध कार्यवाही होगी लिहाजा कोई भी ग्रामीण इस तरह की परेशानियों में नहीं पड़ना चाहता और जब शिकायत का डर समाप्त हो गया तो फिर मनमाने वित्तीय आहरण होने लगे सैकड़ों नाम हैं जिनके खाते में लाखों रूपये डाले गये ये कौन है और इन्हें किस बात के पैसे दिये गये हैं यह गंभीर जांच के विषय है पूर्व सरपंच के नाम से लाखों रूपये निकाले गये सचिव स्वयं के नाम से पैसे निकाले, मेट के नाम से भी पैसे आहरित किये गये जिन व्यक्तियों के नाम से बार-बार समय-समय पर हजारों रूपये निकाले गये उनमें प्रमुख नाम सुंदर सिंह, भागचंद और राजेश यादव हैं ये कौन हैं और इन्हें किस बात के पैसे दिये जाते रहे हैं 14 वर्षो से यहां अंगद के पैर की तरह जमे सचिव इसके पहले जिस भी पंचायत में रहे हैं वे विवादों में रही हैं चाहे फिर वह ग्राम पंचायत चटुआमार हो या फिर ग्राम पंचायत खुड़िया। वर्तमान में इनके पास गुरारखेड़ा पंचायत का भी प्रभार है।

मंडला के माहिष्मती घाट पर डूबा 15 साल का बच्चा, डूबने से हुई मौत

*** चार घंटे चला रेस्क्यू, दोस्तों के साथ नहाने गया था।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मंडला के माहिष्मती घाट में गुरुवार सुबह नर्मदा नदी में डूबे 15 वर्षीय क्षितिज परस्ते का शव करीब चार घंटे की तलाश के बाद बरामद कर लिया गया। एसडीईआरएफ और होमगार्ड की टीम ने संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाकर शव को नदी से बाहर निकाला, जिसके बाद उसे पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, देवदरा निवासी क्षितिज परस्ते सुबह अपने दो दोस्तों के साथ माहिष्मती घाट स्थित एनीकट के पास नर्मदा नदी में नहाने गया था। इसी दौरान वह गहरे पानी में चला गया और डूबकर लापता हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस, एसडीईआरएफ और होमगार्ड की टीम मौके पर पहुंची।

गहरे पानी में चला गया था बालक

डिस्ट्रिक्ट कमांडेंट होमगार्ड नरेश साहू ने बताया कि सुबह करीब 7 बजे पुलिस कंट्रोल रूम से बच्चे के डूबने की सूचना मिली थी। टीम ने मौके पर पहुंचकर सर्च ऑपरेशन शुरू किया। उन्होंने बताया कि माहिष्मती घाट में त्रिशूल के पीछे नदी का हिस्सा काफी गहरा है, जहां तीन बच्चे नहा रहे थे। इसी दौरान एक बच्चा डूब गया। लगातार सर्चिंग के बाद सुबह करीब 11:30 बजे क्षितिज का शव बरामद कर लिया गया। इसके बाद शव को पुलिस को सौंप दिया गया।

30 जून को था जन्मदिन

मृतक के पिता अश्विन परस्ते ने बताया कि क्षितिज उनका इकलौता बेटा था। वह रोज सुबह पुलिस लाइन ग्राउंड में खेलने जाता था और निर्धारित समय पर घर लौट आता था। गुरुवार सुबह घटना की जानकारी उन्हें फोन पर मिली, जिसके बाद वे तुरंत मौके पर पहुंचे।

परिजनों के अनुसार, 30 जून को क्षितिज का जन्मदिन था। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है।

एक महीने में चौथी घटना

माहिष्मती घाट क्षेत्र में पिछले एक महीने के दौरान डूबने की यह चौथी बड़ी घटना बताई जा रही है। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं के बीच घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था, चेतावनी बोर्ड और निगरानी को लेकर सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोग घाट क्षेत्र में सुरक्षा उपाय बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

सार्वजनिक बड़ी खैरमाई मंदिर में तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/नारायणगंज

तीन दिवसीय भव्य कार्यक्रम सार्वजनिक बड़ी खेरमाई सेवा समिति द्वारा किया जा रहा है जिसमें बड़ी खैर माई मंदिर का नवीन निर्माण काय बसंत चक्रवर्ती द्वारा भव्य मंदिर का निर्माण कराया गया है जिसमें तीन दिवसी भव्य कार्यक्रम 26 जून को कलश यात्रा सुबह 11:00 से बड़ी खेर माई मंदिर होते हुए पूरी बस्ती के अंदर भैरव मंदिर होते हुएकलश यात्रा निकल जाएगी मूर्ति पूजन प्राण प्रतिष्ठा 27 जून 2026 दिन शनिवार को है एवं विशाल भंडारा कन्या भोजन 28 जून दिन रविवार को किया जा रहा है इस कार्यक्रम में विशाल देवी जागरण का आयोजन किया गया है जिसमें देवी गीत गायिका शहनाज अख्तर द्वारा 28 जून को रात्रि 8:00 बजे से बड़ी खेर माई मंदिर चक्रवर्ती मोहल्ला नारायणगंज में किया जाना है।

वाहन रैली के माध्यम से रक्तदान के लिए प्रेरित करने का दिया संदेश

मण्डला। संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में आज 26 जून शुक्रवार को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन संत निरंकारी भवन बिंझिया में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक आयोजित है। शिविर के एक दिन पहले संस्था के सदस्यों के द्वारा शाम को वाहन रैली निकाली गई,वाहन रैली ने भगत सिंह वार्ड से प्रारंभ होकर शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए लोगों को रक्तदान करने के लिए प्रेरणा का संदेश दिया। इसमें बड़ी संख्या में सदस्यों ने शामिल होकर आम नागरिकों से रक्तदान करने के लिए अपील की और मानवता की सेवा के लिए अपना सहयोग देने के लिए अपेक्षा की। संस्था के सदस्यों ने इंसान का रक्त इंसान की नाड़ियों में बहे ना कि नालियों में,रक्तदान करके देखो अच्छा लगता है, इससे सहयोग के लिए आह्वान किया। सदस्यों ने इसके लिए विभिन्न जागरूकता संदेश के साथ स्लोगन बनाए और लोगों से रक्तदान में सहभागी बनने के लिए अपील की। वाहन रैली में युवा सदस्यों में विशेष उत्साह देखा गया। संस्था की ओर से इस पुनीत कार्य में सभी से सहयोग की लिए अपेक्षा की जा रही है।

सम्मान | **आपातकाल दिवस पर भाजपा ने लोकतंत्र सेनानियों का किया सम्मान।**

लोकतंत्र के लिए संघर्ष करने वाले सेनानी अमूल्य धरोहर

*** भाजपा कार्यकर्ताओं ने घर जाकर किया सम्मान।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल की स्मृति में आपातकाल दिवस मनाते हुए भाजपा ने लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर मण्डला जिले में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष करने वाले सेनानियों के निज निवास पहुंचकर उनका शॉल, श्रीफल एवं पुष्पमाला भेंटकर सम्मान किया। 25 जून 1975 भारतीय लोकतंत्र के इतिहास का वह काला अध्याय है, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू कर संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों पर प्रहार किया था। इस दौरान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, नागरिक अधिकारों और संवैधानिक मर्यादाओं को सीमित कर दिया गया था। हजारों राजनीतिक कार्यकर्ताओं, सामाजिक नेताओं और लोकतंत्र समर्थकों को जेलों में बंद किया गया तथा विरोध की हर आवाज को दबाने का प्रयास किया गया।

लोकतंत्र प्रेमियों ने साहस का दिया परिचय

भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि आपातकाल का दौर सत्ता के अहंकार और तानाशाही प्रवृत्ति का प्रतीक था, लेकिन इसी कठिन समय में अनेक राष्ट्रभक्तों और लोकतंत्र प्रेमियों ने साहस का परिचय देते हुए अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। उन्होंने यातनाएं सहन कीं, जेल गए, लेकिन लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के अपने संकल्प से पीछे नहीं हटे। ऐसे लोकतंत्र सेनानी आज समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र सेनानी हमारी अमूल्य धरोहर हैं। उनके संघर्ष और बलिदान से प्रेरणा लेकर भाजपा कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान और राष्ट्रहित की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे।

कार्यकर्ताओं ने निज निवास पहुंचकर किया सम्मान

इसी क्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने लोकतंत्र सेनानी श्रीमती शीला जैन (स्व. कस्तूरचंद जैन की धर्मपत्नी), सावलदास पमनानी, आनंद मनोहर तांबे एवं खुब्बीलाल नामदेव का उनके निज निवास पहुंचकर शॉल श्रीफल से सम्मान किया। वहीं निवास मंडल में सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री संतोष रजक, जिला उपाध्यक्ष राजेश जैन, मंडल अध्यक्ष आकाश पांडे, मंडल महामंत्री राकेश रजक, मंडल महामंत्री स्वरूप सिंह मरावी, वरिष्ठ नेता यतीन्द्र मोहन विश्वकर्मा तथा मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्याम परस्ते उपस्थित रहे तो वहीं नैनपुर मंडल में जिला महामंत्री नरेश चंद्रोल, जिला उपाध्यक्ष महेंद्र राठौर, रामप्रकाश साहू, नगर महामंत्री नितेश झारिया एवं सुभाष सेन, सोशल मीडिया जिला सह संयोजक दीपक नामदेव सहित महेंद्र सोनी, अजय नावेरिया, खलेश रजक, उत्कर्ष कन्हैया यादव, राहुल चौरसिया एवं अमित श्रीवास ने लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान कर उनके संघर्ष को नमन किया। वहीं कार्यक्रम में मंडला नगर मंडल अध्यक्ष शिवा रानू राजपूत, महामंत्री मयंक विश्वकर्मा, नगर उपाध्यक्ष ईशांक साहू, दिनेश चौधरी, पार्षद श्रीमती अनीता चौधरी, श्रीमती दीप्ति नरेलिया, गोल्डी झरिया सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस ने निकाली प्रदेश सरकार की अर्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला/निवास

कांग्रेस कमेटी निवास द्वारा प्रदेश सरकार की गलत नीतियों से जनता की रोजमर्रा उपयोग की वस्तुओं पर बढ़ी महंगाई व पेट्रोलियम पदार्थों की बेतहाशा मूल्य वृद्धि के विरोध में अनोखा प्रदर्शन किया गया।

कांग्रेस प्रदर्शन कर्ताओं ने सरकार का जनाजा उठाये नारे लगाते हुये नगर भ्रमण कर सरकार की जमकर खिलाफत की, वहीं जुलुस में उलटे बाजे भी बजाये गये जो जनसामान्य में चर्चा का विषय बन गया।

कांग्रेस नेताओं ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुये कहा की केंद्र की भाजपा सरकार की अदूरदर्शी नीतियों के कारण आम जनता को भारी महंगाई का सामना करना पड़ रहा है, वहीं भाजपा सरकार जनता से किये वादों को भुलाकर चंद उद्योगपतियों व मातहतों को लाभ पहुंचाने के कार्य में लगी हुई है।

प्रदर्शनकारियों द्वारा जैसे ही अर्थी में आग लगाई गई मौक़े पर मुस्तैद पुलिस प्रशासन और नेताओं में प्रतिकात्मक अर्थी को लेकर खींचतान मच गई और अंततः नगर परिषद के अमले ने वाटर केनन चलाकर पुतले की आग बुझा दी।

उक्त प्रदर्शन कार्यक्रम में निवास विधायक चैनसिंह वरकडे, पूर्व विधायक व वर्तमान कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा. अशोक मर्शकोले, निवास कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष संजय जायसवाल, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष तारा सिंह परस्ते, हितेंद्र गोष्वामी, शुशांत तिवारी, गोलू रजक, महेश रजक के अलावा नारायणगंज और बिजाडांडी के क्षेत्र के नेता भी शामिल रहे।

इनका कहना है :-

आज हमारे द्वारा भाजपा सरकार की गलत नीतियों व महंगाई के विरोध में सरकार की अर्थी जुलुस निकालकर सत्ता को चेताया गया है, देश प्रदेश की सरकार अपने मातहतों को अनैतिक लाभ पहुंचाने में लगी हुई है।

-अशोक मर्शकोले जिलाध्यक्ष,

खबर संक्षेप

जब यही लोग इस तरह नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुये दिखाई देंगे तो आम जनता से उम्मीद करना संभव...?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शासन द्वारा हर विभाग में अलग अलग नियम बनाते हुए उनका पालन करना सभी के लिए अनिवार्य किया गया है, इसी प्रकार से रेल विभाग द्वारा बनाये गये नियमों का पालन करने के लिए आये दिन सख्त हितायत देते हुए नियमो को तोड़ने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही का भी प्रावधान बनाया गया है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो बगैर किसी ठोस कारण के ट्रेन को रोकने व रेल पटरी पार करने सहित रेल विभाग के अन्य नियम बनाये गये है और यदि कोई इन नियमों का पालन नही करता है तो रेल विभाग द्वारा उसके व्यक्ति विशेष के खिलाफ कार्यवाही करते हुए दंडित भी किया जाता है? मगर अब सबाल यह उठता है कि जब नियमों का पालन कराने के लिए आम लोगों को पाठ पढ़ाने वाले ही उन नियमों की धज्जियां उड़ाने लगे तो फिर आम पब्लिक से क्या उम्मीद की जा सकती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते दिवस उस समय देखने मिली जब स्थानीय रेल्वे स्टेशन पर कुछ वर्दीधारी ही नियमों को दर किनार करते हुये खुलेआम रेल पटरी पार करने से नही चूक रहे थें इस सच्चाई को देखकर लोग यह बात कहने से नही चूक रहे थें कि क्या रेल विभाग द्वारा बनाये गये नियम मात्र आम जनता के लिए ही है? क्योंकि जब हम रेल्वे स्टेशन पर पहुंचते है तो वहां पर लगे हुये स्पीकरों से यह सूचना आये दिन सुनते है कि पैदल रेल पटरी पार करना नियम विरूद्ध है और यदि कोई व्यक्ति पैदल रेल पटरी पार करता है तो उसके खिलाफ कार्यवाही की जावेगी, वही दूसरी ओर जिस प्रकार से विभाग के ही अधिकारियों व बर्दीधारी ही खुलेआम रेल पटरी पैदल पार करते हुए देखा गया तो लोग यह बात कहने से नही चूक रहे थें कि नियम सिर्फ आम जनता के लिये होते है विभाग के अधिकारी व कर्मचारी कुछ भी करते हुये उन्हें सभी प्रकार की छूट प्रदान की जाती है?

गांव गांव किराना दुकानों की भांति विक्रय हो रही शराब, समा रही युवा पीढ़ी से बढ़ रहा अपराधों का ग्राफ...?

हरिभूमि न्यूज/कौडिया। शहर से लेकर गांव गांव में विदेशी, देशी शराब का अवैध रूप से कारोबार चलते हुये देखा जा रहा है उसका परिणाम है कि इसकी गिरप्त में लगातार युवा पीढ़ी आने के साथ साथ अपनी जिन्दगी को बर्बाद करने से नही चूक रही है। यदि क्षेत्र में चलने वाले अवैध शराब के कारोबार की सच्चाई पर नजर डाली जावे तो पुलिस द्वारा पकड़ने की औपचारिकता तो निभाई जा रही है। मगर बडे कारोबारियों के खिलाफ कार्यवाही न हो पाना बडे स्तर पर संरक्षण मुद्रा प्रतीत होने से नही चूक पा रही है..? क्षेत्र के अनेक गांवों में अवैध शराब के लिये गढ बन चुका है। इस तरह गांव गांव किराना सामग्री की तरह विक्रय हो रहे अवैध शराब के चलते युवा की जिन्दगी सिर्फ बर्बाद ही नही बल्कि सही मायने में देखा जावे तो शराब पीने की चपेट में आए युवाओं, किशोरों की तादाद बढ़ती चली जा रही है..? यह बात अलग है कि आये दिन पुलिस प्रशासन के साथ साथ समाजसेवी संस्थाओं द्वारा नशा मुक्ति संबंधी शिविरों का आयोजन करते हुए नशा से दूर रहने के लिए संदेश दिया जाता है। मगर वह मात्र औपचारिकता पूर्ण ही दिखाई दे रहा है और इसी का परिणाम है कि जहां तहां बिक रही अवैध शराब के चलते युवा पीढ़ी इसकी चपेट में आने से नही बच पा रही है..? गौरतलब है कि शाम ढलने के बाद शराब की दुकानों पर युवाओं की भीड़ उमड़ने लगती है तो दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों में गांव गांव किराना दुकानों के समान शराब का अवैध कारोबार चलते हुये देखा जा रहा है जिसके चलते शहर से लेकर गांवों में आसानी से उपलब्ध हो रही शराब के चलते युवा जो अपने दोस्तों के साथ शराब पीकर इतने मस्त हो जाते है कि उन्हें अपने घरों की स्थिति का ध्यान नही रहता और रात को जब वे अपने घरों की दहलीज पर लड़खड़ाते हुए कदम रखते है तो महिलाएं बुरी तरह विचलित हो जाती है और घरों में कोहराम मच जाता है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों का कहना है कि शराब ने शहर लेकर गांवों का माहौल बिगाड़ दिया है। युवाओं, किशोरों को शराब पीने की लत लगने से उनका स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। माँ बाप की आशाओं के अनुरूप वे अपना भविष्य नही बना पा रहे है और घरों में कलह हो रही है। लोगों का कहना है कि शराब के शौकीन युवा ठीक से घरों में भोजन नही कर रहे है और अपने माँ बाप की सेवा करने की बजाय उन्हें परेशान करते हुए देखे जा रहे है।

गांव-गांव लाखों की लागत से बनाये गये सूखे अमृत सरोबर तालाब सरकार के जल संवर्धन अभियान पर खड़े कर रहे सवाल..., सूखे दिनों की बात तो दूर बारिश में भी नहीं हो पाता है जल का संरक्षण...?

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

जल संरक्षण को लेकर आमजन में जागरूकता होना बहुत ही जरूरी हो गया है। मगर यह जागरूकता सिर्फ कागजो तक सीमित रहने से शायद ही सफलता मिलने की कल्पना कर पाना बेमानी साबित होने से नही चूक पायेगी...? क्योंकि इस समय सरकार द्वारा जिस तरह से जल संरक्षण को लेकर जहां जल संवर्धन मुहिम चलाई जा रही है उसके चलते जहां तहां रैलियों के साथ साथ अन्य प्रकार के आयोजन होते हुये लगातार अखबारों की सुर्खिया बने हुये है। मगर बीते हुये तीन चार साल पहले जिस तरह पंचायतों द्वारा सरकारी धन खर्च करते हुये गांव गांव अमृत सरोबार तालाबों का निर्माण किया गया है उनकी सच्चाई इस तरह से बनी हुई है कि गर्मी के दिनों की बात तो दूर बारिश के दिनों में तब पानी पहुंचना मुश्किल होने से नही चूकता है। इस सच्चाई को अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किया जाना सरकार द्वारा चलाये जा रहे जल संवर्धन पर अपने आप ही सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है...? सरकार द्वारा पंचायतों के विकास को लेकर जिस तरह से सरकारी धन खर्च किया जा रहा है उसके चलते यदि उस धन को अधिकारियों के द्वारा मात्र 75 प्रतिशत भी निष्ठा के साथ विकास कार्यो में लगाया जावे तो गांवों व क्षेत्र की सूरत बदलने में देर नही लगेगी। मगर जब जिम्मेदार अधिकारी ही पंचायतों में होने वाली गफलत बाजी में अनदेखी करने लगेगे तो फिर विकास कार्यो की कल्पना करना कहा तक संभव हो सकता है..? इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि पंचायतों के विकास कार्य वहां के सरपंच सचिवों के माध्यम से कराये जाते है। मगर उन पर नजर रखने के लिये जहां जनपद स्तर से इंजीनियर होते है। वही दूसरी ओर ब्लाक से लेकर जिला स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों द्वारा उन विकास कार्यो का समय समय पर पहुंचकर निरीक्षण करते हुये गुणवत्ता पर पैनी नजर रखने की जिम्मेदारी होती है। यदि इसके बाद भी किसी विकास कार्य में गुणवत्ता को दर किनार किया जाता है तो यह बात अपने आप ही उजागर होने से नही चूक पाती है कि इस गफलबाजी में जनपद से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों की मिली भगत का परिणाम प्रतीत होने से नही चूक पाता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली अनेक ग्राम पंचायतों में देखने मिल रहा है। बताया जाता है कि लगभग तीन चार साल पहले महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना के तहत अमृत सरोबर तालाब में देखने मिलने से नही चूक पा रही है। इस सच्चाई को देखते हुये यह सबाल उठने से नही चूक पा रहा है कि एक ओर सरकार द्वारा जल संरक्षण मुहिम चलाते हुये राशि खर्च की जा रही है। मगर कागजों पर चल रहे जल संरक्षण में क्या सफलता अर्जित करने की उम्मीद करना संभव हो सकता है..? ग्रामीण क्षेत्रों के जल स्तर पर सुधार लाने के साथ साथ गर्मी के दिनों में मूक पशुओं को पीने का पानी उपलब्ध कराने की सोच के चलते चिन्हित की गई पंचायतों के लिये अमृत सरोबर तालाब के लिये राशि स्वीकृत की गई थी। सरकार की सोच थी कि इन तालाबों के निर्माण से जहां गांवों में जमीन के नीचे के जल स्तर में सुधार देखने मिलेगा, वही दूसरी ओर मवेशियों के लिये पीने का पानी उपलब्ध हो जावेगा। मगर इन अमृत सरोबरों के निर्माण के नाम पर पंचायतों द्वारा सरकारी धन की होली किस तरह खेली गई है। इस सच्चाई को चीचली जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायतों में देखने मिल रही है। जहा पर पंचायत द्वारा बनाये गये इन अमृत सरोबर तालाब में इस समय एक बूंद पानी नजर आने की बात तो दूर सरकारी धन को खर्च करते हुये तालाब के अंदर पुराने पेड़ निर्माण के नाम पर पंचायत द्वारा की गई खुदाई की सच्चाई को अपने आप ही उजागर करते हुये देखे जा रहे है।महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगर योजना के तहत म.प्र. शासन द्वारा वर्ष 2022-2023 के तहत स्वीकृत किया गया था। इस तरह पंचायतों द्वारा बनाये गये तालाबो की सच्चाई को अगर मौके पर देखी जावे तो जहां खुदाई के हाल इस तरह से दिखाई दे रहे है कि पूर्व में यहां पर बने हुये खेतों की मेडे जहां स्पष्ट रूप से नजर आने से नही चूक रहे है। वही दूसरी ओर यहां पर पहले से खड़े हुये पेडो के ठूंट निर्माण कार्य में हुई गफलत बाजी का आईना दिखाने में कोई कसर नही छोड़ रहे है..? इतना ही नही ग्रामीणों के कहना है यहां पर पहले से जंगली नाला निकला हुआ था और आस पास में झुर्रईयाँ थी उन्ही के बीचों बीच मात्र सीमेन्ट की दीवार बनाते हुये इस तालाब का निर्माण किय गया है। वही तालाब निर्माण के दौरान पंचायत द्वारा बनाई गई दीवार भी अपना पहला जन्म दिन मनाने के पूर्व ही जिस तरह टूटते दिखाई देना शुरू हो गई थी। वह संपूर्ण कार्य की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रह है..? वही दूसरी ओर एक ओर से निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा तालाब के किनारे को पाटने के लिये कुछ पत्थर जरूर लगाये गये है। मगर यदि उन पत्थरों की सच्चाई देखी जावे तो यह प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि यह पत्थर निश्चित तौर से जंगल की भूमि से वन विभाग की मिलीभगत के चलते अवैध खनन किया गया होगा? क्योंकि किसी भी संस्था को वन विभाग की भूमि से इस तरह पत्थर उठान की अनुमति तो होती नही है फिर भी जंगल क्षेत्र मे पैदा होने वाले यह पत्थर इस तालाब के निर्माण में उपयोग होना वन विभाग के अधिकारियों की भूमिका को भी सबालों के घेरे में लेने से नही चूक रहे है...? इस तरह जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली जंगल क्षेत्र की ग्राम पंचायतो द्वारा लाखों की सरकारी राशि खर्च करते हुये बनाये गये अमृत सरोबर तालाब में जहां गर्मी का मौसम शुरू होने के पहले ही एक बूंद पानी नजर नही आ रहा है। वही दूसरी ओर तालाब निर्माण की गुणवत्ता को लेकर पंचायत स्तर से लेकर जनपद व जिला स्तर के अधिकारियों की भूमिका को सबालो के घेरे में लाने से नही चूक रही है..? सही मायने में देखा जावे तो मौके पर जहां तालाब का स्वरूप ही दिखाई नही दे रहा है। मगर इसके बाद भी सरकारी रिकार्ड में इस अमृत सरोबर में भरे हुये पानी में अधिकारी गोता लगाते हुये ठंडक का अहसास करते हुये देखे जा रहे है..? क्योंकि जब सरकारी धन राशि को खर्च करते हुये पंचायत द्वारा कोई निर्माण कार्य किया जाता है तो उसकी देखरेख जनपद से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा की जाती है। जब इन अधिकारियों द्वारा अपनी ओर से संतुष्टि प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है तभी उस कार्य को पूर्ण माना जाता है..? पंचायतों द्वारा बनाये गये अमृत सरोबरों की सच्चाई जनपद से लेकर जिला स्तर के अधिकारियों को कटघरे में खड़ा करने से नही चूक रही है...?

नगर पालिका राजस्व विभाग की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक अध्यक्ष ने दिये सख्त निर्देश

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा।

स्थानीय नगर पालिका परिषद में राजस्व में बढ़ोत्तरी को ध्यान में रखते हुये बीते हुये दिवस राजस्व विभाग की बैठक नपा अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा की मौजूदगी में संपन्न हुई। बताया जाता है कि इस बैठक में राजस्व शाखा के प्रभारी अमित कोष्ठी के आलवा राकेश पटैल, आनंद कौरव एवं संबंधित कर्मचारी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक मै नपा अध्यक्ष मिश्रा द्वारा नगर की राजस्व वसूली की गति को तेज करने और बकाया राशि को समय पर वसूलने के कड़े निर्देश दिए गए। वही इसके लिये विशेष शिविरों का आयोजन तथा वसूली प्रक्रिया को सुगम बनाने के लिए वार्ड स्तर पर विशेष कैंप (शिविर) आयोजित करने की रूपरेखा तैयार की गई। वही दूसरी ओर कार्य के प्रति लापरवाही पर सख्त कार्रवाई तथा काम में ढिलाई बरतने या लापरवाही करने वाले किसी भी कर्मचारी को कतई बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अध्यक्ष शिवाकांत मिश्रा ने स्पष्ट किया कि नगर के विकास और व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए राजस्व संग्रहण अत्यंत आवश्यक है, इसलिए सभी कर्मचारी पूरी निष्ठा और तत्परता से अपने दायित्वों का निर्वहन करें। अपने दायित्वों के निर्वाहन में किसी भी प्रकार से यदि कोई परेशानी आती है तो संपूर्ण परिषद उनके साथ खड़ी है। नगर को सुन्दर, स्वच्छ तथा विकास गति को अंजाम देना हम सभी का दायित्व है।

मुस्लिम समुदाय द्वारा अकीदत के साथ आज मनाया जायेगा मोहर्रम, इंदिरा कंपलेक्स के सामने लगेगा ताजियों का मजमा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

शहीदाने करबला इमाम हुसैन की याद में नगर में मोहर्रम का पर्व सौहार्दपूर्ण वातावरण के साथ मनाया जा रहा है। इस संबंध में अब्दुल फिरोज खान बबलू द्वारा अपनी जानकारी में बताया है कि आज मोहर्रम की 10 तारीख को इंदिरा कॉम्प्लेक्स के सामने सुबह से आलीशान मजमा रहेगा। वही नगर के सभी ताजिये वहा पर रखे जायेंगे तथा इमामबाड़ों की सबारिया बाबाओ की आमद के साथ ताजियों को सलामी देकर पूरे नगर में रन करेगी। शहनाई की धुन पर शहीदी कलाम सुनाई देंगे। इस दौरान हर साल की भांति लोगों द्वारा अकीदत के साथ ताजियों पर इत्र खुशबू लोभान पेश कर रेबड़ी का तबर्रुक चढ़ाया जाएगा। वही दूसरी ओर इंदिरा कॉम्पलेक्स जाने वाले मार्ग पर जगह जगह लंगर सबील का वितरण किया जाएगा। वही आज नगर में ताजियों व सबारियो का मजमा रहेगा इंदिरा कॉम्पलेक्स पर सैकड़ो की संख्या लोग ताजियों की जियारत करने पहुचेंगे। बड़े बली इमामबाड़े व शक्तिचौक पर हसनी हुसैनी सोयायटी द्वारा लगाए गये है। इस तरह परचम पर भी भारी मजमा देखने को मिलेगा। इंदिरा कॉम्प्लेक्स के सामने दोपहर तक ताजिए रखे रहने के बाद सभी अपने अपने मुकाम पहुचेगे। वही नगर में गरीब नवाज चौकी, मुकरबा दरगाह, बंगला वाले, जबरन दरबार, मंडला वाले, सुल्तान बाबा, शानू बाबा, सुल्तान पीर, बाबली अखाड़ा सहित ओर भी सबारिया अपने अपने काफिले के साथ रन करते हुए मुरादियो से मिलेगे। वही दूसरी ओर जगह जगह बाबाओ के लिए शरबत के प्याले भी रखे जाएंगे। आज ही कि रात्रि में चावड़ी पर बारह भाई इमाम बाड़े के सामने ताजिये रखे जाएंगे वहा पर सबारिया रन करने आएगी जिसके चलते यहां पर रात भर मजमा लगा रहेगा। चावड़ी पर पूरी रात मजमा रहेगा यहा पर लोग जियारत करने पहुचेगे। वही मोहर्रम की 11 तारीख सोमवार की सुबह सभी ताजिए नए बस स्टैंड बाबली दरगाह शरीफ पर रुकने के बाद करबला के लिए रुखसत होंगे। मोहर्रम के चलते नगर पालिका परिषद द्वारा बनाए गए विसर्जन कुंड में ताजियों को ठंडा किया जाएगा। जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अबरार खान, मुस्लिम विकास परिषद के अब्दुल फिरोज खान ने एकता भाईचारे के साथ मोहर्रम त्योहार मनाने अपेक्षा व्यक्त की गई है। चल रहे मोहर्रम पर्व के चलते मस्जिद में होगी आशूरे की नमाज। बताया जाता हे कि मस्जिदों में जिक्र ए शहीदाने करबला का आयोजन चलता रहा जिसमे इमाम हुसैन की शान में बयान पेश किए गये। आज मस्जिदों में आशुरे नमाज की नमाज पढ़ी जाएगी। लोग अपने घरों में भी नमाज अदा करेंगे। मोहर्रम का पर्व इंसानियत का पैगाम देता है आशुरे के दिन सेवाभाव के साथ नेक काम करना चाहिए। मुस्लिम समाज ने स्थानीय प्रशासन, पुलिस विभाग, नगर पालिका परिषद से आज मोहर्रम पर्व पर होने वाले आयोजन में प्रशासनिक सहयोग करने में जुटा हुआ दिखाई दे रहा है।

सालीचौका क्षेत्र में चल रही कोयला की कालाबाजारी को आखिर किसका संरक्षण...?

हरिभूमि न्यूज/ सालीचौका।

इस समय समीपस्थ सालीचौका क्षेत्र में जिस तरह नियम के विपरित कोयले का कारोबार चलते हुये देखा जा रहा है वह संबंधित विभाग की भूमिका पर सबाल खड़े करने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि नियम के अनुसार बताया जाता है कि जब भी कोई व्यक्ति द्वारा कोयले की बिक्री की जाती है तो उसके लिये उसे पंजीयन कराते हुये विक्रय किये जाने वाले कोयले का बिल प्रदान किया जाता है तथा वह थोक के भाव में जहां से कोयला लेकर आते है उसका भी स्पष्टीकरण निर्धारित किया जाता है..? मगर यहां पर चलाने वाला कोयला का धंधा निश्चित तौर से चर्चा का विषय बनने से इसलिये नही चूक रहा है। क्योंकि प्रतिदिन देखा जाता है कि रात होते ही जिस तरह कोयला विक्रय करने वाले तथा कतिथ माफियों के यहां कोयला खाली होते हुये देखा जाता है उसको लेकर आमजन का आरोप है कि वह समीपस्थ गोटीटोरिया खदान से या फिर अन्य किसी जगह से चोरी छिपे लेकर आते है और कोयला माफियाओं के यहां यह कोयला चोर ओने पोने दामों में विक्रय करके चले जाते है यह बात कहा तक सत्य है इसे तो भगवान ही जाने...? मगर जिस तरह रात होते ही यहां पर कोयला से भरी हुई ट्रेक्टर ट्राली से लेकर अन्य वाहन रात के अंधरे में खाली होते हुये देखे जाते है वह निश्चित ही अनेक सबालों को जन्म देने से नही चूक रहे है? इस तरह सालीचौका क्षेत्र में होने वाला यह कोयला का अवैध कारोबार संपूर्ण क्षेत्र में चर्चा का विषय बन चुका है। मगर इसके बाद भी संबंधित विभाग द्वारा कोयला का कारोबार करने वालों के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई खोज खबर न लेना काले सोने का अवैध कारोबार करने वालों को संरक्षण देने की मुद्रा में नजर आने से नही चूक रहे है? क्योंकि कोई भी अवैध कारोबार तभी संभव हो सकता है जब संबंधित विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत होती है। क्योंकि बगैर मिली भगत के किसी भी अवैध कारोबार का संचालन जहां चंद मिनिट भी चल पाना संभव नही होता है..? इस तरह सालीचौका में चल रहे कोयला के कारोबार को लेकर सबाल यह सच्चाई को देखते खड़े होने से नही चूक पा रहे है। क्योंकि यहां पर विक्रय करने वालों का कोयला अधिकांश समय रात के समय ही आते हुये देखा जाता है तो दूसरी ओर जब कोई व्यक्ति अपनी जरूरत के लिये कोयला अन्य किसी शहर या फिर बाहर से लेकर आता है तो संबंधित विभाग द्वारा तुरंत मौके पर पहुंचकर उसके खिलाफ कार्यवाही करने में देर नही करता है और यदि कोई व्यक्ति नगर के इन कोयला माफियों से कोयला खरीदता है तो उसके खिलाफ किसी भी प्रकार से कोई कार्यवाही न होना निश्चित तौर से संबंधित विभाग का कोयला माफियों को पूर्णरूप से संरक्षण जान पड़ते हुये देखा जा रहा है? इस सच्चाई को लेकर क्षेत्र की जनता द्वारा सालीचौका में कोयला का कारोबार करने वालों की ठिकानों की जांच करते हुये उनके द्वारा बुलाये जाने वाले कोयला की सच्चाई पर जांच करने की मांग उठाई जा रही है...?

ग्राम कौड़िया में कुछ साल पहले सड़क किनारे से हटाया अतिक्रमण नजर आने लगा जहां के तहां..?

हरिभूमि न्यूज/कौंडिया। जहां एक ओर संपूर्ण क्षेत्र में लगातार बढ़ रही वाहनों की संख्या के चलते सड़कों पर धमा चौकड़ी मची रही है। वही दूसरी ओर लोडिंग वाहनो की धमाचौकडी से ग्राम के अंदर से निकले मुख्य रास्तों पर जाम की स्थिति निर्मित हो जाती है। कुछ इसी प्रकार की स्थिति इस समय ग्राम कौड़िया में देखने मिल रही है। ज्ञात हो कि गाडरवारा करेली मुख्य मार्ग जो राष्ट्रीय स्तर का सड़क मार्ग में होने के कारण इस मार्ग पर प्रतिदिनि वाहनों को दवाब होने के कारण दिन भर सडक पर वेखौप दौडतें वाहनों से छोटे बडे जानलेबा गंभीर दुर्घटनाए भी होते हुए देखी जाती है। वही दूसरी ओर यहां पर जगह के अभाव में सडक परिवहन करते समय ग्राम के मुख्य रास्तो पर वाहनो की लंबी लगने वाली लाईनों के चलते जाम की स्थिति बनते हुए देखी जाती है। वही दूसरी ओर वाहन मालिको द्वारा भी सडको पर वाहनो को बेतरतीब तरीके से खडे कर दिया जाता है और अक्सर देखा जाता है कि लोगों द्वारा अपने भवनों के लिए लाई जाने वाली निर्माण सामग्री को भी इस मुख्य मार्ग के किनारे ही रख दिया जाता है जिसके चलते यातायात

को प्रभावित कर जाम की स्थिति बना देते है, जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो चाय पान के ढेलो दुकानो पर छोटे वाहन चालको द्वारा सड़क पर ही अपने वाहन खडे कर चाय पान में मग्न हो जाते है। बाकी कसर आटो सहित अन्य वाहन वालो द्वारा पूरी कर दी जाती है जो बीच सडक पर अपने वाहनो को खड़ा करके सवारियों का इंतजार करते है। इसी के चलते यहां से निकलने वाले लोगों की जान को सदा ही खतरा बना रहता है? वही दूसरी ओर यहां पर यदि अतिक्रमण की सच्चाई पर गौर किया जावे तो लोगों ने जहां अपने घरों की ओंटा टिपटी मुख्य मार्ग से लगाकर बना लिये गये तो दूसरी ओर दुकानदार भी अपनी दुकानों को सड़क पर रखते हुये अतिक्रमण करने में कोई कसर नही छोड़ रही है। इस तरह मुख्य मार्ग पर लगातार बढ़ रही अतिक्रमण व जाम की स्थिति को ध्यान में रखते हुये कुछ साल पहले प्रशासन द्वारा यहां पर अतिक्रमण विरोधी मुहिम चलाते हुये सड़क किनारे लगी हुई दुकानों को हटाया गया था। जिससे स्थिति में काफी सुधार देखने मिला था। मगर शासन प्रशासन की अनदेखी के चलते वह दुकाने फिर जहां की तहां नजर आने से नही चूकरही है। इस तरह ग्राम के बीचों से निकले मुख्यमार्गो को लेकर ग्रामवासियों द्वारा शासन प्रशासन से गुहार लगाते हुए कहा है कि यदि ग्राम के बाहर से वायपास मार्ग का निर्माण हो जाता है कि इस समस्या से जहां निजात मिल सकती है। वही दूसरी ओर लोगों की जिन्दगी भी खतरे से मुक्त हो जावेगी। क्योंकि जहां मुख्य मार्ग से प्राथमिक स्कूल से लेकर हाई स्कूल लगा हुआ है। वही ग्राम के अनेक बैको सहित पोस्ट आफिस भी सड़क के किनारे होने के कारण सड़क पर दिन भर भीड़ भाड़ की स्थिति बनी रहती है, जिसके कारण आये दिन घटनाएं घटित होना आम बात हो चुकी है। जबकि पूर्व में यहां पर घटित हुई अनेक सड़क घटनाओं में लोगों की जाने भी जा चुकी है मगर इसके बाद भी प्रशासन की उदासीनता आमजन के लिये समझ से परे होती चली जा रही है? ग्राम के अंदर आये दिन निर्मित होने वाली इस स्थिति को लेकर लोगों द्वारा ग्राम कौड़ियि के बाहर से वायपास मार्ग निर्माण की मांग की जाने लगी है जिससे लोगों के यातायात में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

आयुष्मान भारत के अंतर्गत शिक्षकों का प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। किशोर बच्चों के स्वास्थ्य, जागरूकता और सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से संचालित उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत शासकीय स्कूलों के शिक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। बताया जाता है कि इस प्रशिक्षण में शिक्षकों को हेल्थ एंड वेलनेस एम्बेसडर के रूप में तैयार किया गया जिससे वे विद्यालयों में किशोर विद्यार्थियों को स्वास्थ्य, जीवन कौशल और मानसिक-सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूक कर सकें।यह प्रशिक्षण आयुष्मान भारत कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग, स्वास्थ्य विभाग, यू.एन.एफ.पी.ए. और इसकी क्रियान्वयन एजेंसी बीजीएमएस के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। मास्टर ट्रेनर बी.पी. पाण्डेय, श्रीमती दुर्गा

सोनी, कुंजबिहारी चौधरी एवं नीतिका शर्मा द्वारा जिले भर से आए हाई स्कूल शिक्षकों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सी.एम.एच.ओ. कार्यालय से डॉ. रिपुदमन सिंह द्वारा कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन में विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का आयोजन AISECT-सारा संस्था में गाडरवारा में हुआ। संस्था संचालक कमल साहू द्वारा समस्त आगंतुकों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम में आरकेएसके समन्वयक ब्रजेश त्रिवेदी, योगेन्द्र बाजपेयी समेत संस्था के स्टाफ का सहयोग उल्लेखनीय रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम का निरीक्षण करने भोपाल से आई अधिकारी सुश्री जागृति चौधरी द्वारा कार्यक्रम का अवलोकन कर प्रशिक्षणार्थियों का फीडबैक लिया गया। प्रशिक्षण के समापन सत्र में प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र एवं ग्रुप फोटो का वितरण किया गया।

खबर संक्षेप

शाहपुर मंडल से महेंद्र चन्देल बने भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के मंडल अध्यक्ष

शहपुरा। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा जिला डिंडौरी द्वारा संगठन के विस्तार एवं सशक्तीकरण के तहत मंडल अध्यक्षों की घोषणा की गई है। इसी क्रम में शाहपुर मंडल से महेंद्र चन्देल को भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा का मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।यह नियुक्ति भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवालए अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह परमार तथा भाजपा जिला अध्यक्ष चमरू सिंह नेताम की सहमति से अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष परसराम नागेश द्वारा जारी आदेश के माध्यम से की गई है।महेंद्र चन्देल की नियुक्ति की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के भाजपा कार्यकर्ताओंए पदाधिकारियों एवं समर्थकों में हर्ष का माहौल बन गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें बधाई देते हुए संगठन के प्रति उनकी सक्रियताए समर्पण और लंबे समय से किए जा रहे सामाजिक एवं राजनीतिक योगदान की सराहना की। वहींए जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों ने भी उन्हें शुभकामनाएं देते हुए नई जिम्मेदारी के सफल निर्वहन की अपेक्षा जताई नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष महेंद्र चन्देल ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन ने जिस विश्वास के साथ उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी हैए उस पर वे पूरी निष्ठाए ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की विचारधारा तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए वे निरंतर कार्य करेंगे। साथ ही अनुसूचित जाति समाज के हितों की रक्षा और संगठन को मंडल स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर सक्रिय भूमिका निभाएंगे।महेंद्र चन्देल की नियुक्ति को संगठन के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि उनके नेतृत्व में शाहपुर मंडल में भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी।

जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वारा जिला जेल का किया गया आकस्मिक निरीक्षण

अनूपपुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण और मध्य प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनूपपुर के प्रधान ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष श्रीमती माया विश्वलाल द्वारा 25 जुन को जिला जेल अनूपपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर की साफ-सफाई, बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही भोजन, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। निरीक्षण के दौरान बंदियों से चर्चा कर उनकी समस्याएं एवं शिकायतें सुनी गईं तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। बंदियों को निःशुल्क विधिक सहायता एवं उनके अधिकारों के संबंध में जानकारी भी प्रदान की गई।

शहपुरा नगर परिषद की सीएमओ रीना सिंह राठौर निलंबित, वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों पर हुई कार्रवाई

जांच में सामने आए नियम विरुद्ध कार्यों के आधार पर नगरीय प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश

शहपुरा।

नगर परिषद शहपुरा की मुख्य नगरपालिका अधिकारी ;सीएमओद्ध रीना सिंह राठौर को नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विभाग द्वारा यह कार्रवाई वित्तीय अनियमितताओंए नियम विरुद्ध कार्यों और प्राप्त शिकायतों के आधार पर की गई है।आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकासए भोपाल द्वारा 25 जून 2026 को जारी आदेश में बताया गया कि सीएमओ के विरुद्ध प्राप्त शिकायतोंए जांच प्रतिवेदनों एवं पूर्व से लंबित विभागीय मामलों के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय संयुक्त संचालकए नगरीय प्रशासन एवं विकासए संभाग जबलपुर कार्यालय निर्धारित किया गया है। इस दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिया जाएगा।

विभागीय आदेश के अनुसार नगर परिषद अध्यक्ष द्वारा सीएमओ के विरुद्ध शिकायत प्रस्तुत की गई थीए जिसमें जेम पोर्टल एवं ऑफलाइन माध्यम से सामग्री खरीदी में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं करनेए अधिक दरों पर खरीदी करने तथा पसंदीदा ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के आरोप लगाए गए थे। इसके

अलावा कोटेशन प्रक्रिया के माध्यम से निर्माण कार्य कराकर शासकीय राशि के दुरुपयोग की शिकायत भी की गई थी।शिकायतों में बिना सक्षम स्वीकृति के टीन शेड निर्माणए जल गंगा संवर्धन योजना के कार्यों में अनियमितताए परिषद अध्यक्ष की अनुमति के बिना बैठक आयोजित करने तथा प्रस्ताव प्रक्रिया में नियमों के उल्लंघन जैसे आरोप भी शामिल थे। प्राप्त शिकायतों की जांच के लिए गठित तीन सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट विभाग को सौंपी थी। जांच प्रतिवेदन में स्वागत द्वार निर्माण में अधिक भुगतानए वाहन किराये पर लेने की प्रक्रियाए बिना सक्षम स्वीकृति भुगतान तथा मानस भवन परिसर की दुकानों के आवंटन में अनियमितताओं सहित कई बिंदुओं का उल्लेख किया गया है।विभागीय आदेश में यह भी उल्लेख किया गया है कि रीना सिंह राठौर के विरुद्ध पूर्व पदस्थापना स्थलों से संबंधित चार विभागीय जांचें पहले से संचालित हैं। इनमें चंदेरीए ब्यौहारीए नौरोजाबाद और चंदिया नगर परिषदों में भवन निर्माण अनुमतिए सामग्री क्रयए वित्तीय अनियमितताए सड़क निर्माण एवं मोबाइल टॉयलेट क्रय से जुड़े मामले शामिल हैं। इसके अतिरिक्त चंदिया नगर परिषद में पदस्थापना के दौरान दर्ज एक आपराधिक प्रकरण में अभियोजन स्वीकृति भी प्रदान की जा चुकी है।आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि उपलब्ध जांच प्रतिवेदनों एवं तथ्यों के आधार पर शहपुरा नगर परिषद में भी प्रथम दृष्टया वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताएं सामने आई हैं। इन्हीं आधारों पर मध्यप्रदेश नगरपालिका सेवा ;कार्यपालिकद्ध नियमए 1973 के नियम 36;1द्ध के तहत सीएमओ रीना सिंह राठौर को निलंबित किया गया है।निलंबन की कार्रवाई के बाद नगर परिषद शहपुरा में प्रशासनिक एवं राजनीतिक स्तर पर चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। वहीं नागरिकों की नजर अब विभागीय जांच की आगामी कार्रवाई पर बनी हुई है।

मूर्ति अनावरण में सम्मिलित हुए कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष

अमरपुर।

महान वीरांगना गोड़वाना सम्राज्य की शासिका एवं आदिवासी समाज की अस्मिता की प्रतीक अमर शहीद वीरांगना रानी दुर्गावती का 463 वें शहीद दिवस के अवसर पर ब्लॉक मुख्यालय घुघरी जिला मण्डला के मुख्य मार्ग में क्षेत्रीय विधायक नारायण सिंह पट्टा द्वारा विधायक निधि से 12 फिट ऊंची मूर्ति का स्थापना कराएं जाने के उपरांत 24 जून 2026 को लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार एवं विशिष्ट अतिथि पूर्व मंत्री एवं डिंडौरी विधायक ओमकार मरकामए निवास विधायक चैन सिंह बरकड़ेए पूर्व कैबिनेट मंत्री कमलेश्वर पटेलए पूर्व विधायक बरगी संजय यादवए पूर्व विधायक एवं जिलाध्यक्ष मंडला डॉक्टर अशोक मर्सकोलेए आदिवासी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष रामू सिंह टेकामए आदिवासी समाज के धर्म गुरु दादा दुर्गे भगत एवं गुरुमाता दुर्गेश्वरी जी मौजूद रहे। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय विधायक द्वारा किया गया। जहां महेंद्र ठाकुर अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अमरपुर इस भव्य समारोह में अपने साथी जनसमस्या निवारण प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष तोक सिंह मरावीए वरिष्ठ कांग्रेसी हरि सिंह पट्टाए गोविंद विश्वकर्मा आदि कार्यकर्ताओं के साथ आयोजन में सम्मिलित होकर वीरांगना रानी दुर्गावती को श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

राघवपुर बांध के विरोध को लेकर जोगी टिकरिया में घंटों सड़क जाम, काम बंद कराने की मांग

डिंडौरी न्यूज।

राघवपुर बहुद्देशीय परियोजना बांध के विरोध में गुरुवार को दोपहर 2 बजे से जोगी टिकरिया में जबलपुर अमरकंटक हाइवे पर ग्रामीणों और प्रभावित किसानों का आक्रोश खुलकर सामने आया। परियोजना को ग्राम सभा की सहमति और किसानों की अनुमति के बिना स्वीकृत किए जाने का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने मुख्य मार्ग पर घंटों तक चक्काजाम कर दियाए जिससे आवागमन पूरी तरह प्रभावित रहा।ग्रामीणों का कहना है कि राघवपुर बहुद्देशीय परियोजना से जुड़े निर्माण कार्य और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया बिना ग्राम सभा के प्रस्ताव तथा प्रभावित किसानों की सहमति के आगे बढ़ाई जा रही है। इसे लेकर ग्रामीणों ने पूर्व में कलेक्टर डिंडौरी को ज्ञापन सौंपकर 25 जून को जोगी टिकरिया में सड़क जाम आंदोलन की चेतावनी दी थी। प्रशासन द्वारा मांगों पर संतोषजनक कार्रवाई नहीं किए जाने के बाद गुरुवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़क पर उतर आए।

ग्राम सभा की अनदेखी और पेसा कानून उल्लंघन का आरोप

राज्यपाल के नाम कलेक्टर के माध्यम से सौंपे गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि राघवपुर बहुद्देशीय परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण एवं निर्माण कार्य पेसा कानूनए पांचवीं अनुसूची और भूमि अधिग्रहणए पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन अधिनियम.2013 के प्रावधानों की अनदेखी कर किया जा रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि अनुसूचित क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण के लिए ग्राम सभा की सहमति आवश्यक हैए लेकिन उनकी राय को नजरअंदाज किया गया।ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2023 में कलगी टोला ग्राम पंचायत में आयोजित विशेष ग्राम सभा में किसानों ने सर्वसम्मति से राघवपुर बहुद्देशीय परियोजना को निरस्त करने का प्रस्ताव पारित किया था। इसके बावजूद परियोजना को आगे बढ़ाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

हाईकोर्ट में मामला लंबित होने का दावा

ग्रामीणों ने अपने आवेदन में यह भी कहा है कि परियोजना निरस्तीकरण को लेकर मामला हाईकोर्ट जबलपुर में लंबित है। इसके बावजूद विभागीय अधिकारियों द्वारा निर्माण कार्य और भूमि अधिग्रहण की कार्रवाई जारी रखी जा रही है। किसानों का आरोप है कि इससे आदिवासी समुदाय के संवैधानिक और पारंपरिक अधिकारों का हनन हो रहा है।

प्रशासनिक अमला और भारी पुलिस बल रहा तैनात

आंदोलन को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। मौके पर एसडीएम रामबाबू देवांगनए एसडीओपी सतीश द्विवेदीए तहसीलदारए शाहपुर थाना प्रभारी सहित डिंडौरी और शाहपुर क्षेत्र का भारी पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से लगातार चर्चा कर स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया।

लिखित आश्वासन पर अड़े ग्रामीण

प्रदर्शनकारी ग्रामीणों का कहना है कि केवल मौखिक आश्वासन स्वीकार नहीं किया जाएगा। उनकी मांग है कि प्रशासन लिखित रूप से यह आश्वासन दे कि राघवपुर बहुद्देशीय परियोजना से संबंधित निर्माण कार्य और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तत्काल प्रभाव से रोकी जाएगी। जब तक लिखित आश्वासन नहीं मिलताए तब तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी गई है। ग्रामीणों ने स्पष्ट कहा है कि यदि उनकी मांगों की अनदेखी की गई तो आंदोलन को और व्यापक स्वरूप दिया जाएगा तथा जिले के अन्य आदिवासी क्षेत्रों में भी विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

स्थानांतरण आदेश के बाद भी कार्यमुक्ति नहीं मनरेगा भुगतान और वित्तीय अधिकारों को लेकर उठे सवाल

आखिर कब प्रभावी होगा स्थानांतरण आदेश

डिंडौरी न्यूज ।

जिले में इन दिनों प्रशासनिक व्यवस्थाए स्थानांतरण आदेशों के पालन और मनरेगा भुगतान को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। राज्य शासन द्वारा जारी स्थानांतरण सूची में मेहंदवानी जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रमोद कुमार ओझा का स्थानांतरण नैनपुर किया जा चुका है। शासन के आदेश में स्पष्ट रूप से उल्लेख है कि संबंधित अधिकारी को प्रशासकीय आधार पर तत्काल प्रभाव से नवीन पदस्थापना स्थल पर पदस्थ किया जाता हैए लेकिन आदेश जारी होने के बाद भी कार्यमुक्ति नहीं होने की चर्चा प्रशासनिक गलियारों में लगातार बनी हुई है। जानकारों का

कहना है कि शासन के स्थानांतरण आदेश केवल औपचारिक दस्तावेज नहीं होतेए बल्कि उनका समयबद्ध पालन किया जाना प्रशासनिक व्यवस्था की विश्वसनीयता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में आदेश जारी होने के बाद भी कार्यमुक्ति लंबित रहने से कई प्रकार के सवाल खड़े हो रहे हैं।

इधर जनपद पंचायत डिंडौरी एवं मेहंदवानी में मनरेगा कार्यों के भुगतान को लेकर भी कई तरह की चर्चाएं सामने आ रही हैं। कुछ सप्लायरों एवं सामग्री प्रदाताओं ने नाम सार्वजनिक न करने की शर्त पर आरोप लगाए हैं कि लंबे समय से लंबित भुगतान जारी कराने के लिए कथित रूप से कमीशन की मांग की जा रही है। सूत्रों के अनुसार भुगतान के एवज में प्रतिशत आधारित राशि मांगे जाने की चर्चा है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।सप्लायरों का कहना है कि महीनों से भुगतान लंबित होने के कारण उनके व्यापारिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। कई लोगों ने आर्थिक दबाव और बाजार में देनदारियों का हवाला देते हुए जल्द भुगतान की मांग की है। उनका कहना है कि भुगतान में हो रही देरी से निर्माण कार्यों और स्थानीय व्यवसाय पर भी असर पड़ रहा है।

इस पूरे मामले में एक और महत्वपूर्ण प्रश्न वित्तीय अधिकारों और डिजिटल हस्ताक्षर ;डीएससीद्ध को लेकर भी उठ रहा है। प्रशासनिक विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी अधिकारी के स्थानांतरण आदेश जारी होने के बाद उसके वित्तीय अधिकारों एवं डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट ;कैब्द्ध के उपयोग की समीक्षा तत्काल की जानी चाहिए। इससे शासकीय राशि के भुगतानए स्वीकृतियों एवं वित्तीय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बनी रहती है तथा किसी भी प्रकार की संभावित अनियमितता की आशंका समाप्त होती है।जानकारों का कहना है कि स्थानांतरित अधिकारी के पूर्व पदस्थापना स्थल से संबंधित वित्तीय अधिकारों को समय पर नियंत्रित करना प्रशासनिक जवाबदेही का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि शासकीय राशि का उपयोग निर्धारित नियमों के अनुरूप ही हो और किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।

मेंहदवानी के कठौतिया सेक्टर में जल गंगा संवर्धन अभियान का हुआ समापन

मेहदवानी

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन बुधवार को विकासखंड मेहदवानी के सेक्टर कठौतिया में श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान एवं विकासखंड समन्वयक सुशीला ठाकुर के मार्गदर्शन में आयोजित हुआए जिसमें नवांकुर संस्थाए प्रस्फुटन समिति के प्रतिनिधियोंए मेंटर्स एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत शाम 4 बजे नर्मदा तट पर पूजा.अर्चना एवं संगोष्ठी के साथ हुई। इस दौरान जल संरक्षणए नदियों की स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि जल स्त्रोतों का संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी

आवश्यकता है और इसके लिए जनभागीदारी बेहद जरूरी है।इसके बाद उपस्थितजनों ने सेक्टर कठौतिया की दनदना नदी में दीप प्रज्वलित कर जल गंगा स्वरूप पूजा.अर्चना की। नदी तट पर दीपों की जगमगाहट ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं एवं ग्रामीणों को प्रसाद वितरण किया गया। समन्वयकों ने ग्रामीणों से स्थानीय जल स्त्रोतोंए तालाबों एवं नदियों की स्वच्छता और संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में नवांकुर संस्थाए प्रस्फुटन समिति के सदस्यए स्थानीय मेंटर्स एवं सैकड़ों ग्रामवासी उपस्थित रहे। जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित यह अभियान क्षेत्र में सकारात्मक संदेश छोड़ गया।

पहली ही बारिश में संपर्क मार्ग पर लगा जामए यात्रियों को हुई परेशानी

अमरपुर। अमरपुर ब्लॉक मुख्यालय को जिला मुख्यालय डिंडौरी से सीधे जोड़ने वाले मार्ग पर खरमेर नदी में लगभग तीन करोड़ रुपये की लागत से उच्च स्तरीय पुल का निर्माण कराया गया है। बावजूद इसके क्षेत्रवासियों को अभी तक सुगम आवागमन की सुविधा नहीं मिल सकी है।गुरुवार दोपहर अमरपुर क्षेत्र में हुई पहली बारिश के दौरान ही पुल के संपर्क मार्ग पर आवागमन बाधित हो गयाए जिससे वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्री घंटों परेशान होते रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुल का निर्माण तो कर दिया गयाए लेकिन संपर्क मार्ग का कार्य अभी तक पूर्ण नहीं होने के कारण लोगों को अपेक्षित राहत नहीं मिल पा रही है।जानकारी के अनुसार पुल निर्माण कार्य 5 अक्टूबर 2025 तक पूर्ण होना थाए लेकिन जून 2026 तक भी आवागमन संबंधी समस्याएं बनी हुई हैं। क्षेत्रीय नागरिकों एवं यात्रियों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि पुल के संपर्क मार्ग का कार्य शीघ्र पूरा कर यातायात सुचारु किया जाएए ताकि आमजन को आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके।स्थानीय लोगों का कहना

है कि बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती हैए इसलिए जनहित को देखते हुए अधूरे कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा कराया जाना आवश्यक है।

जिला भाजपा कार्यालय डिंडोरी में आयोजित हुई अनुसूचित जाति मोर्चा की योजना प्रवास बैठक

डिंडोरी।

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय डिंडोरी में भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चाए जिला डिंडोरी द्वारा योजना प्रवास बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में संगठन विस्तारए केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा आगामी संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।कार्यक्रम में प्रदेश मंत्री एवं संभाग प्रभारी जबलपुर सौरभ बावरिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक की अध्यक्षता चमरू सिंह नेतामए जिला अध्यक्ष भाजपा ने की।अपने उद्बोधन में चमरू सिंह नेतामए जिला अध्यक्ष भाजपा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सेवाए सुशासन और

अंत्योदय की विचारधारा पर कार्य करने वाला संगठन है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने तथा बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया।मुख्य अतिथि सौरभ बावरिया ने अपने संबोधन में कहा कि योजना प्रवास बैठक संगठन को नई ऊर्जा देने का अभियान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में दलितए गरीबए शोषित और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक कार्य किए गए हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से प्रत्येक गांव और प्रत्येक परिवार तक पहुंचकर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाने एवं संगठन विस्तार में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के रूप में पुर्व जिलाध्यक्ष नरेंद्र राजपूतए सुधीर तिवारी जिला महामंत्रीए महेश धूमकेती जिला उपाध्यक्षए परसराम नागेश अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्षए वीरेंद्र बिहारी शुक्ला वरिष्ठ नेताए शंकर गवले महामंत्रीए अनुसूचित जाति मोर्चाए भाजपा मंडल अध्यक्ष आशीष वैश्यए वर्षा कुशरामए अंकित गुप्ताए अनिल साहूए सहित अजा मोर्चा के नव.नियुक्त मंडल अध्यक्षए पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने तथा जनहितकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र हितग्राही तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

खबर संक्षेप

देवी प्रसाद बने जिला अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। मध्य प्रदेश माझी जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा संगठन का विस्तार करते हुए नरसिंहपुर जिले की कमान सौंपी गई है। समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष पवन कुमार रायकवार द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, नरसिंहपुर निवासी वरिष्ठ पत्रकार देवी प्रसाद (बबलू कहार) को आगामी 2 वर्ष की अवधि के लिए मध्य प्रदेश माझी जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति का नरसिंहपुर जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति पत्रकार गौरव रायकवार की अनुशंसा पर, प्रांतीय समन्वयक चंद्रशेखर रायकवार एवं प्रांतीय संयोजक टीकाराम रायकवार के अनुमोदन के पश्चात 25 जून 2026 को की गई है। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारियों ने नवनियुक्त जिला अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की है कि वे समिति के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए तन, मन, धन से कार्य करेंगे। इस मनोनयन पर क्षेत्र के सहयोगियों और मित्रों ने उन्हें बधाई दी है एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भाजपा द्वारा लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। गत दिवस जिला भाजपा कार्यालय में संविधान हत्या दिवस आपात काल का काला अध्याय 51 वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में लोकतंत्र सेनानियों के सम्मान में भव्य समारोह का आयोजन किया गया इस अवसर पर उन वीर सेनानानियों को जिन्होंने लोकतंत्र की रक्षा हेतु अप्रतिम संघर्ष किया उनका तथा उनके परिजनों का सॉल श्रीफल से सम्मान किया गया। लोकतंत्र सेनानियों में रमेश कोचर मीसाबंदी संघ के संरक्षक संतोष तिहैया, मीसा बंदी संघ के जिलाध्यक्ष मुन्नालाल नामदेव, विजय सोनी, लेखचंद कोचर, हीरेन्द्र चैधरी, अरविन्द गुप्ता, लालजी रैकवार की गरिमामई उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष रामस्नेही पाठक, पूर्व राज्यमंत्री जालम सिंह पटैल, तेन्दूखेड़ा विधायक विश्वनाथ पटैल, नगर पालिका अध्यक्ष नीरज महाराज, पूर्व जिलाध्यक्ष महंत प्रीतमपुरी सहित जिला पदाधिकारीगण, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री, मोर्चा जिलाध्यक्ष, पार्टी पार्षद एवं कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। तत्पश्चात भारतीय जनता पार्टी के चल रहे कार्यक्रम डिजिटल लर्निंग प्लेटफार्म बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण में सोशल मीडिया जिला संयोजक श्रीकांत श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के बारे में उपस्थित कार्यकर्ताओं को विस्तृत रूप से प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री राहुल कौरव एवं आभार जिला महामंत्री सुरेन्द्र मोहन नेमा ने किया।

कलेक्टर की अध्यक्षता में स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न

कम उपलब्धि होने पर चिकित्सकों की इंक्रीमेंट रोकने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। गुरुवार को कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक सम्पन्न हुई। उन्होंने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन, मॉडरेट एनीमिया, गर्भवती महिलाओं की जांच, आरबीएसके, क्षय कार्यक्रम, एनसीडी कार्यक्रम, सीएम हेल्पलाइन आदि की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने गर्भवती महिलाओं के पंजीयन एवं मॉडरेट एनीमिया की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जहां पंजीयन कम है, वहां आशा एवं एएनएम के माध्यम से सर्वे कराकर शतप्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देशित किया कि जिले से दो बाल चिकित्सक निर्धारित किए जाएं, जो प्रत्येक माह सभी पोषण पुनर्वास केन्द्रों की जांच करेंगे। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नरसिंहपुर एवं विकासखंड चांवरपाठा में गर्भवती महिलाओं की जांच कम पाए जाने पर इसे शत प्रतिशत करने के निर्देश दिए गए।

लापरवाही बरतने पर वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश

बैठक के दौरान कलेक्टर ने कहा कि आरबीएसके कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए चिकित्सकों को अपने निर्धारित क्षेत्र में नियमित भ्रमण कर बच्चों की जांच एवं परीक्षण करने के निर्देश दिए। एनसीडी कार्यक्रम के अंतर्गत स्क्रीनिंग बढ़ाने हेतु हाट-बाजारों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर शिविर आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए। क्षय कार्यक्रम की समीक्षा में विकासखंड बाबई चीचली, नरसिंहपुर एवं गाडरवारा में टीबी स्क्रीनिंग कम पाए जाने, नरसिंहपुर विकासखंड के मनीष शर्मा (एसटीएलएस) एवं श्रीमती सविता मेश्राम (खोपरागड़े) (एलटी) को टीबी कार्यक्रम में लापरवाही बरतने पर कार्यवाही करने व एक वेतन वृद्धि रोकने के निर्देश दिए। साथ ही जिन आरबीएसके चिकित्सकों की उपलब्धि कम है, उनके इंक्रीमेंट रोकने के निर्देश दिए गए।

गुड़ भट्टियों एवं होटलों का पंजीयन कराने के निर्देश

कलेक्टर श्रीमती सिंह ने आरबीएसके वाहनों के उपयोग की जांच कराने एवं जिन चिकित्सकों द्वारा वाहनों का सही उपयोग नहीं किया जा रहा है, उनके विरुद्ध राशि कटौती करने के निर्देश दिए। वाहन समस्या एवं एंट्री की जानकारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को नहीं देने पर प्रभारी जिला आरबीएसके को-ऑर्डिनेटर राकेश लोधी के दो इंक्रीमेंट रोकने के निर्देश दिए गए। उन्होंने जिला खाद्य एवं सुरक्षा अधिकारी को जिले की समस्त गुड़ भट्टियों एवं होटलों का पंजीयन कराने के निर्देश दिए। साथ ही सभी विकास खंडों में प्रति माह 10 स्वास्थ्य संस्थाओं का एनक्यूएएस कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय नरसिंहपुर की सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए लंबित शिकायतों का समय - सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्र, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर. के. चैधरी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

स्वास्थ्य व्यवस्थाएं सुधारने की कवायद जारी

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था सुधारने को लेकर प्रशासन संपूर्ण प्रयास किए जा रहे है लेकिन जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। मुख्य रूप से जिला चिकित्सालय आए दिन चर्चाओं मे बना रहता है। जिला चिकित्सालय में कभी मरीज डॉक्टरों की कमी तो कभी दवाइयों के लिए परेशान होते है। जिला चिकित्सालय में सफाई व्यवस्था तो भगवान भरोसे है। जिला चिकित्सालय में गंदगी बनी रहती है। प्रशासन द्वारा जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को सुधारने के हर संभव प्रयास किया जा रहा है तथा कलेक्टर द्वारा समय - समय पर औचक निरीक्षण करना, स्वास्थ्य समिति की बैठक लेकर कार्यो की समीक्षा करना तथा लापरवाही बरतने पर कर्मचारियों पर भी कार्रवाई की जा रही है परंतु जिले की सुरक्षा व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रहे है।

36 वें दीक्षांत समारोह में डॉ. पराग नेमा को दी गई पी. एचडी. की उपाधि

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के 36 वें दीक्षांत समारोह मे एम. आई. एम. टी. कॉलेज नरसिंहपुर कला एवं समाज कार्य के विभागाध्यक्ष मेजर डॉ. पराग नेमा सहायक प्राध्यापक अंग्रेजी को इनके शोध कार्य सोसियो - कल्चरल आस्पेक्ट ए सिलेक्ट स्टडी ऑफ द प्लेज ऑफ विजय तेंदुलकर पूर्ण करने पर पीएच.डी. की उपाधि प्रदान की गयी है।उल्लेखनीय है कि 36 वें दीक्षांत समारोह का आयोजन राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के मुख्य आतिथ्य एवं प्रदेश के राज्यपाल एवं कुलाधिपति महामहिम मंगू भाई पटेल की अध्यक्षता एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, म. प्र. उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार के विशिष्ट आतिथ्य एवं कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा की उपस्थिति में किया गया। डॉ. पराग नेमा ने अपना शोध कार्य डॉ. स्वाति चांदोरकर प्राध्यापक प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्वामी विवेकानंद पी.जी. कॉलेज नरसिंहपुर के कुशल मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। उल्लेखनीय है कि डॉ. नेमा स्व. डॉ. कृष्ण सेवक नेमा (नानू भाई) एडवोकेट एवं श्रीमती सरोज नेमा के सुपुत्र है। उनकी इस सफलता पर एम.आई.एम.टी. के चेयरमैन इंजी. रूद्रेश तिवारी, प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार गर्ग एवं डायरेक्टर एम.आई.एम.टी. लॉ कॉलेज एड. रचित तिवारी सहित एम.आई.एम.टी. स्टॉफ मेम्बर्स, परिजनों एवं शुभचिंतकों द्वारा शुभकामनाएं प्रेषित की गयी है।

सामूहिक योग का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। विगत दिवस समरसता योग कल्याण समिति द्वारा जिला सैनिक कल्याण कार्यालय के कर्मचारी एवं अधिकारियों के साथ मिल कर योग, व्यायाम, प्राणायाम किया गया। इस अवसर पर इंटरनेशनल नेचुरोपैथी आर्गेनाइजेशन (आयुष मंत्रालय, भारत सरकार) के सौजन्य से जिला सचिव योगाचार्य देवेन्द्र पटेल ने ध्यान योग, व्यायाम, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार के अभ्यास और उनके लाभ के विषय में बताया। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण कार्यालय से कर्नल साहब, सैनिक, आस्था सहित योग के साथी उपस्थित थे।

नवनिर्मित संदीपनी विद्यालय भवन में दरारें, गुणवत्ता पर उठे सवाल

गोटेगांव। करोड़ों रुपये की लागत से निर्मित हो रहे शासकीय संदीपनी विद्यालय भवन में निर्माण कार्य पूर्ण होने से पहले ही दीवारों और बीम में दरारें दिखाई देने लगी हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता और तकनीकी मानकों की अनदेखी की गई है। कई कमरों की दीवारों में लंबी दरारें एवं उखड़ा हुआ प्लास्टर भवन की मजबूती पर प्रश्नचिह्न लगा रहा है।विद्यालय प्राचार्य ने बताया कि मामले की जानकारी संबंधित विभाग और निर्माण एजेंसी को दे दी गई है तथा प्रभावित हिस्से को तोड़कर पुनः निर्माण कराने की मांग की गई है। नागरिकों ने उच्चस्तरीय तकनीकी जांच की मांग की है।

नाकेदार पर किसानों को प्रताड़ित करने और गुंडागर्दी का आरोप

गोटेगांव। तहसील क्षेत्र के ग्राम चदलौन छीताढाना में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के किसानों ने वन विभाग के एक नाकेदार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस संबंध में जन एकता गोसेवा समिति ने एसडीएम कार्यालय एवं वन विभाग को ज्ञापन सौंपा है।

ग्रामीणों का आरोप है कि वे पिछले 30-35 वर्षों से संबंधित भूमि पर खेती कर जीवनयापन कर रहे हैं, लेकिन नाकेदार बिना किसी वैधानिक आदेश के उन्हें खेती से बेदखल करने का प्रयास कर रहा है। किसानों ने खेतों में बनी टपरिया में आग लगाने, गाली-गलौज और मारपीट जैसे आरोप भी लगाए हैं।किसानों ने निष्पक्ष जांच, दोषी के विरुद्ध कार्रवाई तथा पात्र परिवारों को भूमि पट्टा प्रदान करने की मांग की है।

मुख्य सड़क पर ट्रक से अन लोडिंग, लगा भीषण जाम, स्कूली बच्चे व राहगीर परेशान

गोटेगांव। नगर की मुख्य सड़क पर गुरुवार सुबह यातायात नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ती नजर आईं। एक जागरूक नागरिक द्वारा वायरल किए गएवीडियो में व्यस्ततम मार्ग पर बीच सड़क ट्रक खड़ा कर बोरियां उतारते हुए देखा गया, जिससे लंबा ट्रैफिक जाम लग गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह करीब 9:15 बजे एक मालवाहक ट्रक मुख्य मार्ग पर खड़ा कर दिया गया और अनलोडिंग शुरू होते ही सड़क का बड़ा हिस्सा अवरुद्ध हो गया। स्कूल समय में लगे जाम के कारण छात्र-छात्राओं, मरीजों एवं सैकड़ों राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि मुख्य मार्ग पर अक्सर इसी तरह भारी वाहनों से अनलोडिंग की जाती है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। नागरिकों ने प्रशासन से दिन के समय मुख्य मार्गों पर भारी वाहनों की अनलोडिंग पर प्रतिबंध लगाने तथा नियम तोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

शिव सेना, युवा सेना मध्यप्रदेश में आशीष नेमा को जिम्मेदारी प्रदेश मीडिया प्रभारी एवं जबलपुर संभाग प्रभारी नियुक्त

करेली। शिवसेना युवासेना मध्यप्रदेश द्वारा संगठन विस्तार और जनसंपर्क गतिविधियों को मजबूत करने के उद्देश्य से नरसिंहपुर (करेली)निवासी आशीष नेमा को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। संगठन की ओर से जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार उन्हें शिवसेना युवासेना मध्यप्रदेश का प्रदेश मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है। साथ ही संगठन के प्रभावी संचालन और विस्तार को ध्यान में रखते हुए उन्हें जबलपुर संभाग प्रभारी का अतिरिक्त दायित्व भी सौंपा गया है।

यह नियुक्ति हिंदू हृदय सम्राट स्वर्गीय बालासाहेब ठाकरे के विचारों से प्रेरित होकर तथा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एवं शिवसेना के राष्ट्रीय नेता एकनाथ शिंदे, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे, युवासेना के

राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्वेश सरनाईक और राष्ट्रीय सचिव किरण दादा साळी के निर्देशन में की गई है। नियुक्ति पत्र में बताया गया है कि यह निर्णय मध्यप्रदेश राज्य प्रमुख अनुराग सोनार, प्रदेश संगठन प्रमुख दिनेश विश्वकर्मा तथा प्रदेश उपाध्यक्ष रोहित शर्मा की सहमति से लिया गया। नियुक्ति पत्र में आशा व्यक्त की गई है कि वरिष्ठ पत्रकार आशीष नेमा संगठन की नीतियों एवं बालासाहेब ठाकरे के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे तथा संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। साथ ही उनसे पूर्ण निष्ठा, समर्पण और अनुशासन के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की अपेक्षा की गई है। नियुक्ति पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि संगठन के संविधान, नियमों और वरिष्ठ नेतृत्व के निर्देशों का पालन करना अनिवार्य होगा। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने आशीष नेमा को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन की मीडिया गतिविधियों और जनसंपर्क अभियानों को नई गति मिलेगी।

मानसून के पूर्व नर्मदा से ढुल रही रेत

तेंदूखेड़ा। ईन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली प्रमुख नदियों के साथ जीवन रेखा मां नर्मदा के पावन तट ककरा घाट से प्रतिदिन दिन रेत कंपनी के लोगों द्वारा टेक्ट्रर ट्राली के माध्यम से रेत बेंची जा रही है। चूंकि यह क्रम लगातार जारी बना हुआ है।रेत खदान आवंटन ना होने के बाबजूद भी माइनिंग विभाग के अधिकारियों की मिली भगत से मां नर्मदा के आंचल को छलनी किया जा रहा है। मानसून की दस्तक के पूर्व यहां से बड़ी संख्या में रेत ढुलवा कर बरसात के दिनों में मनमाने दामों में बेंचा जाता है। चूंकि हाल ही में जिला प्रशासन द्वारा रेत के अवैध भंडार को लेकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यवाही तो की जा रही है। तेंदूखेड़ा गाडरवारा सड़क मार्ग पर स्थित मां नर्मदा के ककरा घाट की भी वस्तु स्थिति और रेत के भंडारों पर कार्यवाही के लिए प्रबुद्ध वर्ग के लोगों ने मांग की है। बरसात के दिनों में यही रेत 5 से 6 हजार रुपए प्रति ट्राली के हिसाब से बेंची जाती है। चूंकि ट्रालियों का भी कोई माप नहीं होता है। और ना ही इनका कोई माप तौल का मापदंड। जरुरतमंदों को मजबूरीबश रेत खरीदनी पड़ती है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रोंसरा को नियमित डॉक्टरों की जरूरत

राष्ट्रीय राजमार्ग के लिए वरदान हुआ साबित

तेंदूखेड़ा। उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर पर नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड और राज्य स्तर पर कायाकल्प अवार्ड हासिल कर चुके सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रोंसरा राजमार्ग को इस समय स्टाफ की कमी का सामना करना पड़ रहा है। लगभग एक दशक पहले वर्ष 2014-15 में शुरू हुए इस अस्पताल की साख और दायरा भी लगातार बढ़ी है। वहीं राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 45 और 44 के लिए यह केंद्र बरदान भी साबित हुआ है।लेकिन स्वीकृत पदों के मुकाबले डॉक्टरों और स्टाफ की तैनाती न होने से व्यवस्थाएं प्रभावित हो रही हैं। निर्धारित मापदंडों के चलते अस्पताल में कागजी दस्तावेजीकरण और प्रबंधन का काम पहले से काफी बढ़ गया है। लेकिन इसके अनुपात में मानव संसाधन की कमी महसूस की जा रही है। वर्तमान में यहाँ एकमात्र नियमित मेडिकल ऑफिसर के रुप में एक ही डाक्टर तैनात हैं। जिन पर इस वर्ष फरवरी से ओपीडी इमरजेंसी और चौबीसों घंटे अस्पताल की जिम्मेदारी का अत्यधिक भार बना हुआ है।

दुर्घटना ग्रस्त और जनरल मरीजों की संख्या में हो रही बढ़ोत्तरी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रोंसरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित होने के कारण यहाँ लगातार सड़क हादसों के आकस्मिक मरीज आते रहते हैं। इसके साथ ही सुआतला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी गंभीर मेडिको-लीगल केस एमएलसी की जांच और रिपोर्ट तैयार करने का दायित्व भी इसी केंद्र पर है।

स्त्री रोग विशेषज्ञ का पद रिक्त

यहां पर सबसे बड़ी विसंगति पूर्ण स्तिथि यह बनीं हुई है कि क्षेत्र की प्रसूताओं और ग्रामीण महिलाओं को स्टाफ नर्सों के अनुभवों के भरोसे रहना पड़ता है। महिलाओं को होने वाली बीमारियों को विशेषज्ञ अनुभव शील महिला की डाक्टर की ही जरूरत हुआ करती है लेकिन यहां पर महिला डाक्टर ना होने के कारण महिलाओं को अपने इलाज के लिए बाहर बड़े शहरों में जाना पड़ता है।

सिविल अस्पताल जितना बड़ा है कार्यक्षेत्र

भौगोलिक दृष्टि से इस केंद्र पर चारों दिशाओं के बड़े क्षेत्र की निर्भरता है। इसके दायरे में जबलपुर मार्ग पर मुर्गाखेड़ा सागर मार्ग पर महाराजपुर के आगे तक का क्षेत्र भोपाल मार्ग पर बिलगुवां और नरसिंहपुर मार्ग पर बीतली गांव तक की सीमाएं शामिल हैं। आसपास कोई अन्य स्वास्थ्य केंद्र सक्रिय केंद्र न होने से यहाँ मरीजों का दबाव बना रहता है।क्षेत्रवासियों का कहना है कि सुआतला में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का नया भवन बनकर तैयार है। यदि प्रशासन द्वारा वहां डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की पदस्थापना कर उसे पूरी तरह सक्रिय कर दिया जाए तो राजमार्ग मुख्य केंद्र का वर्कलोड काफी कम हो जाएगा और मरीजों को स्थानीय स्तर पर भी बड़ी सुविधायें मिलने लगेंगी।

स्वीकृत पदों के मुकाबले वर्तमान अमला

मेडिकल ऑफिसर रेगुलर स्वीकृत 3 तैनात 1 मेडिकल ऑफिसर (बॉन्ड) स्वीकृत 04 तैनात एक भी नहीं स्त्री रोग विशेषज्ञ स्वीकृत 01 तैनात नहीं स्टाफ नर्स स्वीकृत 8 तैनात मात्र 4 फार्मासिस्ट स्वीकृत 2 तैनात 1 एएनएम स्वीकृत 08 तैनात 3 वार्ड बॉय स्वीपर स्वीकृत 10 तैनात 5 ड्रेसर चपरासी ड्राइवर स्वीकृत 05 तैनात एक भी नहीं।

बैकअप का भी अभाव शासन से उम्मीद

आसपास के पेराफेरी स्वास्थ्य केंद्रों में भी कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स और डॉक्टरों की सीमित संख्या के कारण इस केंद्र को कोई स्थानीय बैकअप नहीं मिल पा रहा है। हाल ही में जारी हुई एमपी पीएससी की सूची से क्षेत्र को बड़ी उम्मीदें थी। लेकिन इस केंद्र को नया डॉक्टर नहीं मिल सका। स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों ने शासन और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से मांग की है कि अस्पताल की पुरानी साख और जनहित को देखते हुए यहाँ रिक्त पदों की पूर्ति शीघ्र की जाए।

न्यायालय नजूल अधिकारी नरसिंहपुर

सार्वजनिक उदघोषण

रा.मा.क्र.अ.20 (1) वर्ष 2026-27

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नजूल शीट क्रमांक 05, नगरीय क्षेत्र का नाम कंदेली, प्लाट क्र. 9 रकवा 613, 6/7 रकवा 340, 6/8 रकवा 300, 6/6 रकवा 548, 6/4 रकवा 183 वर्गफुट विद्यमान अभिलेख में धारक/धारकों के नाम/पिता/माता का नाम तथा पूर्ण नाम पता-राजेन्द्र तिवारी, सुरेन्द्र तिवारी, नरेन्द्र तिवारी, जितेन्द्र तिवारी, अनुराधा तिवारी पिस. स्व. धर्मवीर तिवारी सा. शास्त्री कंदेली उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम/पिता/माता/पति का नाम तथा पूर्ण पता जिनके पक्ष मे प्रकरण विचाराधीन है-राजेन्द्र तिवारी, सुरेन्द्र तिवारी, नरेन्द्र तिवारी, जितेन्द्र तिवारी, अनुराधा तिवारी पिस. स्व. धर्मवीर तिवारी सा. शास्त्री कंदेली उक्त अनुसूची के अनुसार स्थायी पट्टा नवीनीकरण की कार्यवाही इस न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। कोई भी हितबद्ध व्यक्ति दिनांक 20/07/2026 को प्रात: 11 बजे स्थान नरसिंहपुर में इस न्यायालय के समक्ष स्वयं या अपने अधिवक्ता जिसे सम्यक रूप से अनुदेश दिये गये हो या वैद्य प्रतिनिधी के द्वारा उपस्थित होकर विचाराधीन प्रकरण के संबंध में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है नियत दिनांक के बाद प्राप्त दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

इश्तेहार आज दिनांक 23/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय पद मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

(सील)

नजूल अधिकारी
नरसिंहपुर